

1-6-15

पत्रवली अथवा राजस्व लोक अदालत गुरु  
पंचायत शेष पर पुरखुत हुयी वही  
सुबराती स्वयं उपास्थिता वादी व पत्रवली  
ने कल्पना कि हमारे विवाद खेतों की सीमाओं  
को लेकर है। दोनों अपने-अपने खेतों के सीमाओं  
रूपों हेतु सहमत हैं दोनों परामर्शों  
पावड किया गया कि वे अपने-अपने खेतों का  
सीमाओं कल्पना करके वाड ही वाड पर  
पुरखुत करे। निर्णय सुनाया गया पत्रवली  
कंसल्टुमण्ट होकर नमक से कत है वर  
दफ्तर शामिल है।

उपस्थित

पत्रवली

✓